सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 190 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 14 अगस्त, 2024

मूल्य ₹ 3/-

बम और पिस्तौल क्रांति नहीं करते। क्रांति की तलवार विचारों के पत्थर पर तेज होती है।

-शहीद भगत सिंह

जमीन पर कब्जा करने वालों को बीजेपी का... 7

यूपी उपचुनाव पर अपने-अपने... 3

भाजपा से सतर्क रहें... 2

सीएम केजरीवाल को नहीं मिली सुप्रीम कोर्ट से राहत

» अंतरिम जमानत की सुनवाई टली, 23 को फिर बहस

» कोर्ट ने सीबीआई से भी मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से एकबार फिर झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने उनकी अंतरिम जमानत की सुनवाई फिलहाल टाल दी है। अब इस मामले की सुनवाई 23 अगस्त को होगी। कोर्ट ने सीबीआई को भी नोटिस जारी की है। सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसी से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि हम अभी कोई अंतरिम जमानत नहीं देंगे।

दरअसल, दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया को

अंतरिम जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी ये उम्मीद कर रही थी कि जल्द ही सीएम केजरीवाल को भी अंतरिम जमानत मिल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की उस याचिका पर आज (14 अगस्त) सुनवाई की, जिसमें उन्होंने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक की दोनों याचिकाओं पर सुनवाई की। सोमवार को जब अरविंद केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने इसे तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया, तो शीर्ष अदालत उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई थी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी को ठहराया है वैध

दिल्ली हाई कोर्ट ने पांच अगस्त को मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी को वैध ठहराया था और कहा था कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के कृत्यों में कोई दुर्भावना नहीं थी, जिससे यह पता चलता है कि आप नेता किस तरह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं, जो उनकी गिरफ्तारी के बाद ही गवाही देने का साहस जुटा सके, उच्च न्यायालय ने उनसे सीबीआई मामले में नियमित जमानत के लिए निचली अदालत में जाने को कहा था।

सिसोदिया अब 16 अगस्त से करेंगे पदयात्रा

17 महीने बाद तिहाड़ जेल से लौटे दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की आज बुधवार से होने वाली पदयात्रा को स्थगित कर दिया गया है। यह पदयात्रा राजधानी के विभिन्न स्थानों पर होनी थी। अब आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया की यह पदयात्रा 14 अगस्त की बजाय 16 अगस्त से शुरू होगी। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि ऐसा स्वतंत्रता दिवस पर सुरक्षा कारणों को लेकर दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर किया गया है। सौरभ भारद्वाज ने झंडा फहराने के विवाद पर भी अपनी बात रखी। 15 अगस्त को चुनी हुई सरकार का कोई भी मंत्री झंडा फहराए, इससे दिल्ली की जनता का सम्मान होता है। आजादी का असली मतलब ही यही है कि चुने हुए लोग देश और राज्य चलायें ना की थोपे हुए लोग।

ईडी मामले में मिल चुकी है अंतरिम जमानत

मनी लॉन्ड्रिंग (ईडी) मामले में सुप्रीम कोर्ट पहले ही केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे चुका है, अगर सीबीआई केस में जमानत मिल जाती है तो वह जेल से बाहर आ जाएंगे। सीबीआई ने केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार किया था, उस वक्त वह मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में थे। केजरीवाल ने दो याचिकाएं दाखिल की हैं, एक में सीबीआई गिरफ्तारी को चुनौती दी है और दूसरी में जमानत मांगी है।

लालू, तेजस्वी के खिलाफ आरोप पत्र पर 17 अगस्त को विचार करेगी अदालत

दिल्ली की एक अदालत 17 अगस्त को यह फैसला कर सकती है कि भूमि के बदले नौकरी से संबंधित कथित घोटाले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनके बेटे तेजस्वी यादव और आठ अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने यह देखते हुए मामले को अगली तारीख के लिए स्थगित कर दिया कि दस्तावेज बहुत अधिक हैं। ईडी द्वारा छह अगस्त को पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया गया था। ईडी का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

कोलकाता रेपकांड की सीबीआई ने शुरू की जांच

» वारदात की जगह पहुंची चिकित्सा-फोरेंसिक टीम

» सियासत भी जारी: भाजपा व टीएमसी में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला से दुष्कर्म और हत्या मामले में सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है। उधर इस पर सियासत भी जारी है। बीजेपी ने ममता सरकार पर सवाल उठाया है। भाजपा ने कहा की सबूत के साथ छेड़छाड़ हुई है। उधर टीएमसी ने बीजेपी पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उसके एक सांसद ने छात्रों के साथ प्रदर्शन करने की भी बात कही है।

वहीं जांच एजेंसी में सीबीआई ने नई एफआईआर दर्ज की है। इसके मद्देनजर सीबीआई की दिल्ली से एक टीम मामले कोलकाता पहुंची। सीबीआई ने दिल्ली से एक विशेष चिकित्सा और फोरेंसिक टीम भेजी है। कोलकाता पहुंचने के बाद टीम सबसे पहले न्यू टाउन राजारहाट में बीएसएफ-दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के अधिकारियों से मिलने पहुंची। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बीते दिन मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था।

फोटो: सुमित कुमार

छठे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी टीएमसी सांसद का भी समर्थन

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में डॉक्टरों और छात्रों के विरोध प्रदर्शन का आज छठा दिन है। उधर तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा है कि वह भी डॉक्टरों की हड़ताल में शामिल होने जा रहे हैं। सुखेंदु के एलान के मुताबिक वह आज (बुधवार) हड़ताली डॉक्टरों के हड़ताल में शामिल होंगे। सुखेंदु ने कहा,"मैं प्रदर्शनकारियों को ज्वाइन करने जा रहा हूं। क्योंकि मेरी भी लाखों बंगाली परिवारों की तरह एक बेटी और छोटी पोती है। हमें इस मौके पर उठ खड़ा होना चाहिए। महिलाओं के खिलाफ वरूरता बहुत हो चुकी है।

सबूतों को सीबीआई दफ्तर लाया गया

वारदात से जुड़ी सभी दस्तावेजों को बंगाल पुलिस ने सीबीआई को सौंप दी है। बुधवार को कोलकाता के सीबीआई दफ्तर (सीजीओ कॉम्पलेस) में सभी सबूत लाए गए। वहीं, आरोपी संजय रॉय को भी पुलिस सीजीओ कॉम्पलेस लेकर आई। पुलिस अधिकारी मामले से संबंधित साक्ष्य और दस्तावेजों के साथ यहां पहुंचे हैं। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, चिकित्सा अधिकारियों और फोरेंसिक टीम की एक विशेष टीम वारदात की जगह पर भी पहुंची है। इससे पहले केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हत्याकांड की जांच मंगलवार को अपने हाथ में ले ली थी। एजेंसी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के कुछ ही घंटों के अंदर सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं। कोर्ट ने राज्य पुलिस को मामले के दस्तावेज केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट ने राज्य पुलिस को बुधवार सुबह 10 बजे तक केस डायरी सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया था।

सीएम ममता बनर्जी इस्तीफा दें : सुवेंदु

पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा,सीबीआई को अपनी पकड़ मजबूत करनी चाहिए और संदीप घोष (आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल), डॉ एसपी दास (सीएम के निजी चिकित्सक) और विनीत गोयल (कोलकाता सीपी) को हिरासत में लेना चाहिए। सुवेंदु अधिकारी ने आगे सवाल पूछा कि सुशांत रॉय और डॉ अभिक 9 अगस्त को वहां क्यों गए थे? सबूत नष्ट करने के लिए? सीबीआई को तुरंत कदम उठाने चाहिए, अन्यथा जरूरत पड़ने पर राज्य के लोग अपनी आवाज उठाएंगे। भाजपा सीएम ममता बनर्जी का इस्तीफा चाहती है, वह स्वास्थ्य और गृह विभाग संभालती हैं।

भाजपा से सतर्क रहें कार्यकर्ता : अखिलेश

सपा ने शुरू की यूपी उपचुनाव की तैयारी, कहा- मतदाता सूची को ठीक कराने का काम प्राथमिकता से करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि पार्टी कार्यकर्ताओं को एकबार फिर भाजपा से सतर्क रहने को कहा है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हिस्सा लेने के लिए मतदाता सूची को ठीक कराने का काम प्राथमिकता से करना चाहिए, ताकि भाजपा की साजिश सफल न हो सके। भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट करना अपना अधिकार समझती है। यही वजह है कि वह निर्वाचन प्रक्रिया को भी प्रभावित करती है। भाजपा लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती है। इसलिए ऐसी साजिशों से सतर्क रहना जरूरी है। वे मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा की नीयत ठीक नहीं है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया गया है। अब उपचुनाव और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी भाजपा को हराने को तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के लिए चुनौती बन गई है। अन्याय और अत्याचार भाजपा का एजेंडा है। भाजपा की नीतियों के चलते समाज का हर वर्ग महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से पीड़ित है। प्रदेश में बहन-बेटियों के प्रति अपराध का सिलसिला थम नहीं रहा है।

सपा को जिताए भुर्जी समाज

भुर्जी भोजवाल समाज की दारुलशफा में हुई बैठक में सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल और विधायक जयकिशन साहू ने भुर्जी समाज से उपचुनाव में सपा को जिताने की अपील की। बैठक की अध्यक्षता सुभाष भोजवाल और संचालन समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सोलंकी भुर्जी ने किया।

गुटबाजी पर विफरे सपा मुखिया

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मेरठ के सपाइयों को लोकसभा चुनाव की हार पर मंथन करने के लिए लखनऊ बुलाया था। वहां पर चल रही गुटबाजी पर सपा प्रमुख ने कड़ी आपत्ति करते हुए उन्हें चेतावनी दी कि इस तरह की घटनाएं आगे नहीं होनी चाहिए। साथ ही मुजफ्फरनगर के मीरापुर विधानसभा में होने वाले उप चुनाव की तैयारियों को लेकर हिदायत देनी थी। इसमें सपा विधायक, पूर्व व वर्तमान जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पदाधिकारी आदि शामिल हुए। लोकसभा चुनाव में सपा कड़े मुकाबले में हारी थी। सपा प्रत्याशी सुनीता वर्मा भाजपा के प्रत्याशी अभिनेता अरुण गोविल से करीब 10 हजार वोटों के अंतर से हारी थीं। सपा की हार की वजह आपसी कलह भी रही थी। एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप भी लगाए गए थे। अब उन सभी की समीक्षा हुई।

मिल्कीपुर विस में भाजपा की राह आसान नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। लोकसभा चुनाव में हुई करारी हार का बदला लेने के लिए मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव को भाजपा ने प्रतिष्ठा से जोड़ लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद इसकी कमान संभाल रहे हैं। लेकिन जातिगत समीकरणों व पुराने नतीजों को देखकर अभी भी भाजपा की राह आसान नहीं लग रही है।

हालांकि, यह चुनाव भाजपा व सपा सांसद अवधेश प्रसाद दोनों के लिए अहम माना जा रहा है, जिसे लेकर दोनों दल एड़ी-चोटी का जोर लगाएंगे और चुनाव बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। राम मंदिर निर्माण के बावजूद भारतीय जनता पार्टी फैजाबाद लोकसभा सीट हार गई।

अब तक दो बार ही भाजपा जीती है चुनाव

मिल्कीपुर विधानसभा सीट से रामलहर के दौरान 1991 में भाजपा से मथुरा प्रसाद तिवारी विधायक बने थे। इसके बाद 2017 में दूसरी बार भाजपा का खाता खुला और गोरखनाथ बाबा विधायक बने। वहीं, सपा से 1996 में मित्रसेन यादव, 1998, 2002 व 2004 में रामचंद्र यादव, 2012 और 2022 में अवधेश प्रसाद विधायक बने। इस लिहाज से इस सीट पर सपा की मजबूत पकड़ मानी जाती है।

'जघन्य घटनाओं की रोकथाम के लिए सरकारें संवेदनशील व्यवस्था बनाएं'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कोलकाता में महिला प्रशिक्षु के साथ हुए दुष्कर्म व हत्या मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दुखद और शर्मनाक है। सरकार को ऐसी जघन्य घटनाओं की रोकथाम के लिए सुरक्षा प्रबंध करने के साथ ही दोषी को सख्त सजा भी देना चाहिए।

उन्होंने एक्स पर कहा कि सरकारी, गैर-सरकारी या जीवन के अन्य किसी भी क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान आदि से जुड़ा यह अति-महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दा है जिसको लेकर सभी को जागरूक व सतर्क रहने की जरूरत है ताकि बंगाल की लेडी डाक्टर जैसी अति-दुखद व शर्मनाक घटनाएं न होने पाए। उन्होंने कहा कि देश भर में होने वाली ऐसी जघन्य घटनाओं की रोकथाम के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों को हर स्तर पर समुचित संवेदनशील व्यवस्था करने के साथ-साथ दोषियों के खिलाफ सख्त त्वरित कार्रवाई भी बहुत जरूरी है।

जन्मदिवस हो तुम्हें मुबारक दिल से यही दुआ उमड़ी। बँधी रहे सारे जीवन भर सिर पर खुशियों की पगड़ी।
फूलो फलो हंसो मुसकाओ चहको महको जीवन भर, दुनिया की हर खुशी खुशी से नजर उतारी घड़ी घड़ी।

डॉ. अर्चना त्रिपाठी जी को

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

यूपी उपचुनाव पर अपने-अपने दांव

बसपा के फैसले से सपा-भाजपा पर बढ़ेगा दबाव

- सभी दलों ने बनानी शुरू की रणनीति
- कांग्रेस जमकर लड़ने को तैयार
- माया-अखिलेश-योगी ने संभाली कमान
- मायावती ने अपने कैडर को दिए मूलमंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लिए दस सीटों के उप चुनाव की रणभेरी अभी बजी नहीं है पर सियासी दल अपना गुणा-भाग करने लगे हैं। जहां सत्ता में बैठी बीजेपी पार्टी में गुटबाजी से इतर उसकी तैयारी में जुट गई है। वहीं इंडिया गठबंधन के दोनों प्रमुख दल कांग्रेस व सपा ने सीटों के बटवारें को लेकर मंथन शुरू करने के संकेत दिए है। उधर अमूमन उपचुनावों से दूर रहने वाली बसपा ने भी इस बार उसमें भाग लेने की बात कह कर भाजपा व सपा की पेशानी पर बल ला दिया है। वहीं भाजपा ने अपने सहयोगियों के साथ इस पर चर्चा भी शुरू कर दी हे। उप चुनावों के मद्देनजा यूपी के सीएम योगी मोर्चा संभाल लिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी पीडीए को मजबूती देने की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। उधर बसपा प्रमुख ने भी कार्यकर्ताओं के पेंच कसने शुरू कर दिए हैं। कुल मिलाकर ये उपचुनाव काफी दिलचस्प होने वाले हैं।

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा उपचुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम उठाते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने घोषणा की कि उनकी पार्टी सभी दस सीटों पर चुनाव लड़ेगी। मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक का ब्यौरा एक्स पर साझा किया, जिसमें सभी दस निर्वाचन क्षेत्रों में बसपा के उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि फूलपुर और मंझवा सीटों के लिए भी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई है। बैठक के दौरान मायावती ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला किया और उन पर विभाजनकारी बुलडोजर राजनीति का इस्तेमाल करने और महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक पिछड़ेपन जैसे ज्वलंत मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने मस्जिदों, मदरसों और वक्फ संपत्तियों के संचालन में सरकार के हस्तक्षेप की भी निंदा की। यह ध्यान देने योग्य है कि बसपा उपचुनावों में आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को केंद्रीय मुद्दा बना सकती है।

इसके अलावा, बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य पार्टी इकाई के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों ने भाग लिया, जिसमें आगामी उपचुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों पर भी विचार-विमर्श किया गया और पार्टी के समर्थन आधार का विस्तार करने के उद्देश्य से पिछली बैठकों में जारी निर्देशों पर हुई प्रगति का आकलन किया गया। इस बीच, बैठक के दौरान वंचितों के प्रति बसपा की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए मायावती ने पार्टी सदस्यों से अभियान के लिए पूरी तरह से समर्पित होने का आग्रह किया और कहा कि पार्टी की सफलता से गरीबों और शोषितों के अधिकारों के लिए आंदोलन को सीधा लाभ मिलेगा।

रालोद-बीजेपी ने शुरू किया मंथन

उत्तर प्रदेश में उपचुनाव से पहले एनडीए गठबंधन के दलों ने अपनी रणनीति को धार देने शुरू कर दिया है। राज्य की दस सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं, जिसमें पश्चिमी यूपी की मीरापुर सीट भी शामिल है। इस सीट पर आरएलडी अपने चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। सूत्रों की मानें तो यहां से आरएलडी का उम्मीदवार एनडीए के ओर से उतारा जाएगा। इससे पहले बैठकों का दौरे भी शुरू हो गया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी पश्चिमी यूपी के दौरे पर हैं, जहां मीरापुर उपचुनाव के लिए बीजेपी और आरएलडी की बैठक हो रही है. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के नेतृत्व में यह बैठक हो रही है। इस बैठख में आरएलडी विधायक और कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार भी मौजूद हैं इसके अलावा आरएलडी के कई विधायक बैठक में मौजूद हैं। वहीं इस इलाके के बीजेपी के क्षेत्रीय अध्यक्ष भी बैठक में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हुए हैं, वहीं मीरापुर विधानसभा के बीजेपी और आरएलडी के सभी मंडलाध्यक्ष और कार्यकर्ता मौजूद हैं, गठबंधन के दलों के बीच हो रही यह बैठक शुक्रताल के दंडी आश्रण के सभागार कक्ष में चल रही है, बैठक के दौरान दोनों दल एक साथ आगे की रणनीति पर विचार कर कर रहे हैं। हालांकि आरएलडी इस सीट पर बीते लंबे वक्त से अपनी तैयारियों को धार दे रही है। पार्टी का पूरा संगठन कई सप्ताह से यहां तैयारियों पर नजर बनाए हुए है, इस सीट पर आरएलडी के उम्मीदवार उतारे जाने की संभावना पूरी नजर आती है, इसके पीछे एक बड़ी वजह बताई जा रही है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में चंदन चौहान को आरएलडी ने अपना प्रत्याशी बनाया था। उन्होंने इस चुनाव में जीत दर्ज की थी, जबकि वह मीरापुर सीट से वर्तमान विधायक भी थे। इसके बाद उन्होंने यह सीट छोड़ दी थी। ऐसे में आरएलडी का दावा यहां पहले से मजबूत था।

कांग्रेस की 10 में से पांच सीटों पर नजर

उपचुनावों में जीत के लिए यूपी कांग्रेस ने कमर कसना शुरू कर दिया है। हालांकि अभी सहयोगी सपा से सीटों के बटवारें को लेकर बात पूरी नहीं हुई है। वहीं प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में पांच पर कांग्रेस ने दावा किया है। कांग्रेस ने गाजियाबाद, फूलपुर, खैर, मीरापुर और मझंवा सीट मांगी है। प्रदेश नेतृत्व ने कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व को इस संबंध में प्रस्ताव भेज दिया है। यह भी बताया है कि इन सीटों पर व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि इंडिया गठबंधन के तहत पार्टी ने पांच सीटों पर उपचुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए पार्टी शीर्ष नेतृत्व को प्रस्ताव भी भेजा जा चुका है। जिन सीटों पर दावा किया गया है, वह भाजपा और उसके सहयोगी दलों की हैं। ऐसे में उम्मीद है कि सपा को इन सीटों पर कोई एतराज नहीं होगा।

सीएम योगी ने संभाली कमान

विधानसभा उपचुनाव में अयोध्या की मिल्कीपुर और अंबेडकरनगर की कटेहरी सीट की जिम्मेदारी लेने के सीएम योगी आदित्यनाथ के फैसले को भले ही सियासी कदम माना जा रहा हो, पर इसके मायने दूरगामी हैं। दोनों सीटों की चुनावी तैयारियों के दौरान योगी जिस तरह बांग्लादेश में 90 फीसदी दलित हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर सपा-कांग्रेस की चुप्पी पर निशाना साध रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि वे अगड़ा, पिछड़ा और दलित के जातीय खांचे में बंटे लोगों में सिर्फ हिंदू होने का भाव जगाकर बड़ी लकीर खींचने में भी जुटे हैं। इस उपचुनाव के बहाने योगी जिस तरह प्रखर हिंदुत्व के एजेंडे को धार दे रहे हैं उसका असर उपचुनाव में ही नहीं, बल्कि 2027 के चुनाव में भी देखने को मिल सकता है। दरअसल, अयोध्या भाजपा के लिए प्रतिष्ठा और आस्था का बड़ा केंद्र रहा है। इसलिए पार्टी को यह उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट पर जातीय वोटबैंक नहीं, बल्कि हिंदू वोटबैंक के बल पर चुनाव जीत

लेंगे, लेकिन परिणाम इसके उलट आया। इसकी वजह यह थी कि विपक्ष के संविधान में बदलाव और आरक्षण खत्म करने के दांव ने हिंदुओं को अगड़े-पिछड़े में बांट दिया। इससे सबक लेते हुए पार्टी फिर अगड़े-पिछड़े में बंटे समाज को एक हिंदू वोटबैंक के तौर पर तैयार करने के प्रयास में जुटी है। इसकी जिम्मेदारी खुद सीएम योगी ने अपने कंधे पर ली है। मिल्कीपुर और कटेहरी सीट पर चुनाव प्रबंधन योगी के खुद संभालने के पीछे दो प्रमुख वजहें बताई जा रही हैं। एक तो यह कि वे लोकसभा चुनाव में हार के बाद से भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे को लेकर विपक्ष के सवालों का मुंहतोड़ जवाब दें सके। दूसरा यह कि रामनगरी की धरती से अगड़े-पिछड़े में बंटे हिंदू समाज को फिर एकजुट करने की मुहिम शुरू कर पूरे प्रदेश के दलित और पिछड़ों को विपक्ष की कुटनीति के बारे में जागृत किया जा सके। दोनों सीटों पर हाल में हुई सभाओं में सीएम ने जिस प्रकार भाजपा शासन में अयोध्या में हुए विकास और उससे मिली नई पहचान का जिक्र कर अयोध्यावासियों को इसे बचाए रखने के लिए प्रेरित किया, वहीं नकारात्मक शक्तियों (विपक्ष) पर यहां की जनता को दिखावटी सम्मान देने का आरोप लगाकर सचेत भी कर रहे हैं। सीएम के भाषणों के सियासी निहितार्थ निकाले जा रहे है। हिंदुत्व का साफ संदेशसीएम के भाषणों में सबसे ज्यादा फोकस बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर रहा है। इसमें वे सबसे अधिक जोर इस बात पर दे रहे हैं कि इस मुद्दे पर विपक्ष के लोग चुप्पी साधे हैं। योगी यह भी जता रहे हैं कि हम हारे या जीतें, लेकिन कोई हमें हमारे मूल्यों (हिंदुत्व) से भटका नहीं सकता है।माना जा रहा है कि उपचुनाव में बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा उठाकर योगी यह भी संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि सुरक्षित रहने के लिए अगड़े-पिछड़े में बंटना घातक हो सकता है। इसलिए योगी बार-बार बांग्लादेश में प्रताड़ित होने वाले हिंदुओं में 90 फीसदी दलित समाज की बात उठा रहे हैं। अपने भाषणों में सीएम अगड़े-पिछड़े में बंटे हिंदू समाज को यह भी समझाने का भी प्रयास कर रहे हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर विपक्ष ने इसलिए चुप्पी साध रखी है, क्योंकि यहां पर हिंदू कोई वोटबैंक नहीं रह गया है। हिंदू जातीय खांचों में बंट गया है, इसलिए सपा-कांग्रेस जैसे दलों के नेता इनको आपस में लड़ाकर सिर्फ अपना हित साध रहे हैं। इन जातियों के हितों से उनका कोई लेनादेना नहीं है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

देश में संविधान सर्वोच्च उस पर टिप्पणी अनुचित

भारत के मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि भारत का संविधान सबसे बड़ा व ऊपर है। उन्होंने कहा कि सुप्रीमकोर्ट व हाईकोर्ट को भी संविधान के दायरे में रहने की बात कही। उनकी यह टिप्पणी सियासी दलों व नेताओं को आइना दिखाने वाला हे जो अपने आप को संविधान से बड़ा समझने लगते हैं। दरअसंल, सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब ऐंड हरियाणा हाई कोर्ट के जज की एक टिप्पणी पर नाराजगी जताई और उसे हटाने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने गुरुग्राम की प्रॉपर्टी से जुड़े केस में की गई हाई कोर्ट की टिप्पणी का स्वत: संज्ञान लिया और टिप्पणी पर चिंता जताई। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड ने कहा,टिप्पणी गैर जरूरी है। इससे कोर्ट के सम्मान को ठेस पहुंची है। न तो सुप्रीम कोर्ट और न ही हाई कोर्ट, देश में संविधान सर्वोच्च है। हाई कोर्ट के जस्टिस राजबीर सेहरावत ने अपने एक आदेश में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट अपनी संवैधानिक सीमाओं से बाहर जा रहा है और हाई कोर्ट की शक्तियों को कम आंका जा रहा है।

हाई कोर्ट के आदेश में कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट को खुद को वास्तविकता से ज्यादा सर्वोच्च मानने की आदत हो गई है। जस्टिस राजबीर की टिप्पणी का एक विडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया। चीफ जस्टिस ने कहा, पक्षकार कोर्ट के फैसलों से असंतुष्ट हो सकते हैं, लेकिन जज अपने से उच्च अदालतों के फैसलों से असहमति नहीं जता सकते। चीफ जस्टिस, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ऋषिकेश रॉय की बेंच ने जस्टिस राजबीर को चेतावनी दी कि आपसे उम्मीद की जाती है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों पर टिप्पणी करते समय संयम बरतें। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन पसंद का विषय नहीं, संवैधानिक दायित्व है। हालांकि शीर्ष अदालत ने जस्टिस राजबीर के खिलाफ अवमनना की कार्रवाई से इनकार किया। सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने के बाद भी एक आरोपित को गिरफ्तार करने पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कड़ा रुख अपनाया है। गुजरात में सूरत के वेसु थाने के इंस्पेक्टर और आरोपित को रिमांड पर भेजने वाले कोर्ट के जज को अवमानना का दोषी माना। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों को 2 सितंबर को पेश होने का आदेश दिया है, ताकि सजा पर फैसला हो सके। आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया था। इस मामले में हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत नहीं मिली तो आरोपित सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 8 सितंबर को अग्रिम जमानत देकर नोटिस जारी किया था। इसके बाद भी पुलिस ने आरोपित को 12 दिसंबर को अरेस्ट किया। कोर्ट ने उसे 16 दिसंबर तक रिमांड पर भेज दिया था। कुल मिलाकर यह टिप्पणी उन लोगों को ध्यान में रखना चाहिए जो संविधान को नकारने का प्रयास करते हैं। पूरा देश संविधान से ही बधा है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब ऐंड हरियाणा हाई कोर्ट के जज की एक टिप्पणी पर नाराजगी जताई और उसे हटाने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने गुरुग्राम की प्रॉपर्टी से जुड़े केस में की गई हाई कोर्ट की टिप्पणी का स्वत: संज्ञान लिया और टिप्पणी पर चिंता जताई। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा,टिप्पणी गैर जरूरी है। इससे कोर्ट के सम्मान को ठेस पहुंची है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बांग्लादेश में लोकतंत्र ढहने की मूल वजहें

गुरबचन जगत

'वीसीज फॉर कमला' के नाम तले एक समूह ने बयान जारी कर कहा है 'इस महत्वपूर्ण बेला में हम सब एकजुट होकर कमला हैरिस का समर्थन करते हैं।' यह गुट तकनीक उद्योग की प्रतिष्ठित कुछ कंपनियों के महत्वपूर्ण अगुआओं का है, जिसमें लिंक्डइन के संस्थापक रीड हॉफमैन, एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव वॉजनिएक और सन माइक्रोसिस्टम्स के सह-संस्थापक विनोद खोसला शामिल हैं। इस समूह ने 700 टेक लीडर्स के हस्ताक्षर युक्त अपने वक्तव्य में कहा, 'हम व्यवसाय के पक्ष में हैं, हम अमेरिका को आगे ले जाने के स्वप्न के पक्षधर हैं, हम नवोन्मेष के समर्थक हैं, हम तकनीकी प्रगति के हक में हैं। हमारा विश्वास अपने देश के रीढ़ रूपी लोकतंत्र में है। हमारा मानना है कि मजबूत, विश्वसनीय संस्थान एक विशेषता हैं न कि बुराई - उद्योग कोई भी हो- उनके बिना ढह जाएगा।' यह उन दो मूलभूत सिद्धांतों -लोकतंत्र एवं संस्थान- को प्रतिपादित करते हैं, जिसकी नींव पर देश उन्नति करते हुए विकसित राष्ट्र बनता है। ये वो सिद्धांत हैं, जिन्हें साहसी स्त्री-पुरुषों ने लागू किया था, जो अधिनायकवादी, फसादी, फासीवादी और हिंसात्मक ताकतों से लड़े और उन्हें हराया।

लड़ाई अभी भी जारी है और तानाशाही एवं फसादी ताकतें लोकतंत्र एवं कानून के राज को लीलने को तत्पर हैं। संस्थान, जो कि संविधान और संसद में निहित आदेश-पत्र से वजूद में आए, यूरोप और उत्तर अमेरिका में उनमें अधिकांश अपने कर्तव्यों को अंजाम देने को डटकर खड़े हैं, हालांकि मजबूत जिद्दी ताकतें इनके विरोध में हैं।' 'द मैग्ना कार्टा लिब्रटेटम' (स्वतंत्रता का महान राजपत्र) में सार्वभौम अर्थात शासक को कानून के शासन के तहत बताया गया है और इसमें आजाद इंसान को मिली स्वतंत्रताओं का जिक्र है। यह एंग्लो-अमेरिकन न्याय-प्रणाली में नागरिक अधिकारों को आधार मुहैया करवाता है। आगे चलकर, राजा के 'दिव्य अधिकारों' को धीरे-धीरे छीन लिया गया, जिससे लोकतंत्र की स्थापना हुई। यह समाज का रूपांतरण था, जहां से कानून का राज और आम नागरिक का सशक्तीकरण स्थापित हुआ।

इससे महान लोकतंत्र बनाने की राह प्रशस्त हुई। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर के शब्दों में 'एक देश केवल इसलिए समृद्ध नहीं होता कि उसके पास अकूत प्राकृतिक स्रोत हैं, यदि ऐसा होता तो आपका देश (रूस) विश्व का सबसे अमीर मुल्क कब का बन चुका होता। यह उद्यमित्ता है जिससे धन पैदा होता है, मैं जिस पूंजीवाद की समर्थक हूं, उसका अर्थ सबके लिए मनमर्जी की खुली छूट नहीं है बल्कि वह है जिसमें कोई ताकतवर अपनी हैसियत का फायदा ईमानदारी, भद्रता और सामूहिक कल्याण की एवज में न उठाने पाए। पूंजीवाद तभी काम करेगा जब कानून का राज मजबूत एवं न्यायप्रिय हो, जिसके प्रति सरकार सहित हर कोई उत्तरदायी हो।' इसकी आगे व्याख्या करें तो, देखा गया कि अधिकांश विकसित देश समय के साथ अपने संस्थानों को मजबूत बनाते चले गए, जिसके वास्ते उनके संविधान और संसद में प्रावधान निहित हैं और फिर यही संस्थान दो विश्व युद्धों की विपरीत परिस्थितियां बनने पर जरा नहीं डिगे बल्कि और सुदृढ़ एवं विजयी बने। वहीं दूसरी तरफ, कम विकसित और हाल ही में आजाद हुए मुल्कों ने शुरुआत चाहे सही इरादों से की हो, लेकिन जल्द ही कट्टरता के अतिरिक्त, ताकत और पैसे की लालसा के सामने डिगते चले गए और इसकी एवज में धीरे-धीरे अपने संस्थानों को तबाह करते गए। लोकतंत्र की जगह किसी एक नेता या पार्टी या मंडली के अधिनायकवाद अथवा तानाशाही ने ले ली, वह भी इस स्तर तक कि जनता उम्मीद और न्याय के लिए फौज को बतौर प्रकाशपुंज देखने लगे। न्यायपालिका, निर्वाचित प्रतिनिधि संस्थाएं, राजनीतिक दल- यह सब लोकतंत्र को ध्वस्त करने वालों के हमले के सामने ताश के महल की तरह ढहते चले गए, जो न तो कानून का शासन चाहते हैं न ही इन्हें गरीब और समाज के सबसे निचले तबके के उत्थान से सरोकार है, ये वह ताकतें हैं जो सत्ताधारी दल, नेता अथवा मंडली का साथ देती हैं। अब आते हैं उस देश की तरफ, जिसके संदर्भ में मैंने ऊपर का सब लिखा है यानी बांग्लादेश (पहले पूर्वी पाकिस्तान)- अपनी स्थापना से ही इसके पास वे तमाम अवयव थे जो एक अलग देश होने के लिए जरूरी होते हैं।

पाकिस्तान के साथ इसकी राजनीतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सांझ जरा नहीं थी, ले-देकर एक धर्म की समानता थी, वह भी पूरी तरह नहीं। पाकिस्तानी हुक्मरानों ने अपना निज़ाम बनाए रखने को इसे अपनी फौज के जूतों तले रौंदवाया, आतंक का कहर मचाया और नरसंहार किया। न्याय पाने को सेना ही पहला और अंतिम चारा थी, तमाम अन्य संस्थानों का बधिया कर डाला। लोग उठे और मुक्ति बाहिनी बनाई और शेख मुजीब-उर-रहमान के रूप में भरोसेयोग्य नेता उभरा।

सतत निगरानी व तकनीक रोकेगी स्कूल बस हादसे

आलोक मित्तल, आईपीएस

कहना कठिन है कि कितने लोगों को 18 नवम्बर, 1997 की वो स्याह सुबह याद है जब बच्चों को लेकर जा रही एक स्कूल बस दिल्ली में वजीराबाद पुल से यमुना नदी में गिरी थी। दर्दनाक हादसे में 28 बच्चों की मृत्यु हुई व 62 बच्चे तथा स्टाफ घायल हुए। बस में 6 से 14 वर्ष आयु के 112 बच्चे सवार थे। हृदय विदारक दुर्घटना के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ मामले में दिसंबर, 1997 में ही स्कूल बसों के सुरक्षित संचालन और प्रबंधन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश दिये। जिसमें स्कूल बसों की गति सीमा निर्धारण हेतु स्पीड गवर्नर लगाने, बसों का नियमित रखरखाव-निरीक्षण, चालकों के लिए पांच वर्ष का अनुभव, नियमित प्रशिक्षण व स्वास्थ्य जांच, बसों में प्राथमिक चिकित्सा किट व बच्चों के बैठने की अधिकतम सीमा निर्धारित की गई।

कोर्ट के दिशा-निर्देशों के बाद स्कूली बसों को सुरक्षित बनाने हेतु सम्भवत: पहली बार गंभीर प्रयास हुए। लेकिन इसके बावजूद स्कूल बस दुर्घटनाएं चिंताजनक रूप से अक्सर हुई। वर्ष 2015 में पंजाब के मोगा में स्कूल बस के ट्रक से टकराने से 12 बच्चों की मृत्यु हुई। वर्ष 2018 में हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में स्कूल बस के गहरी खाई में गिरने से चालक और 2 शिक्षकों सहित 23 बच्चों की मृत्यु हो गई। वर्ष 2018 में ही उ.प्र. के एटा में स्कूल बस के ट्रक से टकराने से करीब 24 बच्चों की मृत्यु हुई। वर्ष 2019 में उ.प्र. के कुशीनगर में मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन से टकराने से बस में सवार 13 बच्चों की मृत्यु हुई। इसी साल 11 अप्रैल को हरियाणा के महेन्द्रगढ़ में कनीना क्षेत्र स्थित जी.एल. पब्लिक स्कूल बस चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही से चलाने से बस पलट गई। हादसे में 6 छात्रों की मृत्यु हुई तथा 32 घायल हुए। चालक नशे में था। पहले भी इस बाबत स्कूल प्रशासन को सचेत करने पर भी अनदेखी से दुखद हादसा हो गया। दरअसल, दुर्घटनाओं का मुख्य कारण स्कूल बसों का समुचित रखरखाव न होना, बस चालकों का लापरवाही से तेज गति व नशे में गाड़ी चलाना रहा है।

हाल ही में हिसार में एक स्कूल बस ब्रेक फेल होने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई, महेन्द्रगढ़ में एक स्कूल बस का पिछला टायर निकल गया तथा फरीदाबाद में स्कूल वैन में शार्ट सर्किट से आग लग गई। हादसे बताते हैं कि बसों के रख-रखाव को गम्भीरता से नहीं लिया जाता। बस चालकों में अनुशासन व आवश्यक प्रशिक्षण का अभाव, क्षमता से अधिक छात्रों को ले जाना, सुरक्षा मानकों की अनदेखी तथा बसों में सीट-बेल्ट न पहनना व आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु आवश्यक सुरक्षा साधन न होना भी दुर्घटनाओं के कारण हैं। भारत में स्कूल बस को ट्रांसपोर्ट वाहन माना गया है। सुरक्षित संचालन हेतु प्रावधान मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में दिये गये हैं। केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 बसों के लिए विशिष्ट सुरक्षा उपायों को अनिवार्य करते हैं। जैसे गति को 60 कि.मी. प्रति घंटा सीमित करने हेतु स्पीड गवर्नर लगाना, खिड़कियों पर लोहे की ग्रिल और आपातकालीन निकास की आवश्यकता है।

राज्य सरकारों व राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा भी स्कूल परिवहन हेतु व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इनमें बसों का नियमित फिटनेस प्रमाणन, ड्राइवरों की साख का सत्यापन व उचित प्रशिक्षण, सुरक्षा मानदंडों के अनुपालन की निगरानी हेतु स्कूलों द्वारा परिवहन समितियां बनाने व बच्चों की सहायता हेतु परिचालक का मौजूद होना शामिल है। वर्ष 2009 में जसबीर सिंह, उपाध्यक्ष, मानव सेवा मिशन, लुधियाना ने स्कूली बसों की दुर्घटनाओं में हुई मौतों के मुद्दे को उठाया। इसका पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लिया तथा इसे तत्काल रिट याचिका सीडब्ल्यूपी नं. 6907/2009 के रूप में पंजीकृत किया। उच्च न्यायालय द्वारा पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ को स्कूली वाहनों की सुरक्षा हेतु पॉलिसी बनाने के लिए निर्देश दिए। फलत: वर्ष 2014 में हरियाणा सरकार द्वारा 'सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी' बनाई गई। इसके अंतर्गत नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश, जिला व उपमण्डल स्तर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की समितियां बनाने का प्रावधान किया गया। अब हरियाणा सरकार ने मौजूदा 'सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी' में सुधार करने के लिए कुछ संशोधन प्रस्तावित किए हैं। मसौदे के अनुसार, स्कूल प्रबंधन वर्ष में दो बार शपथ पत्र के माध्यम से 'स्व-प्रमाणन' प्रस्तुत करेगा।

स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी कि वह छात्रों और छात्रों के अभिभावकों से ड्राइवर/कंडक्टर/अटेंडेंट के आचरण के बारे में समय-समय पर फीडबैक ले और उसका रिकॉर्ड बनाए। विदेशों में स्कूल बस सुरक्षा हेतु विभिन्न रणनीतियों लागू हैं। अमेरिका स्कूल बसों हेतु विशिष्ट डिजाइन मानकों को अनिवार्य करता है। अमेरिका-आस्ट्रेलिया में स्कूल बसों में सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। सुरक्षा हेतु वार्षिक जागरूकता सप्ताह, ओवरलोडिंग के लिए जीरो टॉलरेंस, यू.के. में बस ड्राइवर की निगरानी व छात्रों की सुरक्षा हेतु बसों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य हैं। चालक के लाइसेंस हेतु कड़े नियम हैं। स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना कानूनी दायित्व और नैतिक अनिवार्यता भी है। सर्वप्रथम स्कूल प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित हो व लापरवाही पर कानूनी कार्यवाही कर भारी आर्थिक दंड भी लगाया जाये। बसों के आगे व पीछे उसकी रोड फिटनेस सर्टिफिकेट की तिथि बड़े अक्षरों में लिखी जाये। ऐसी तकनीकें अनिवार्य हों, जो चालक के शराब पीकर गाड़ी चलाने पर चेतावनी दे सकें। .

जन गण मन अधिनायक जय हे...

78वें स्वतंत्रता दिवस की थीम

भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का विषय विकसित भारत है, जो 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। जो स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ होगी। इससे पहले स्वतंत्रता दिवस 2023 की थीम राष्ट्र पहले, हमेशा पहले थी। इस प्रयास के हिस्से के रूप में, सरकार विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं को चलाने के लिए प्रतिबद्ध है जो देश के भीतर मौजूद विभिन्न संस्कृतियों का सम्मान करती है।

15 अगस्त 2024, गुरुवार को पूरे भारत के लोगों द्वारा मनाया जायेगा। इस साल 2024 में भारत में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जायेगा। 15 अगस्त 1947 को भारत में प्रथम स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। हमारे देश का तिरंगा जब शान से लहराता है तो हर भारतीय का सीना गर्व से फूल कर चौड़ा हो जाता है, यह पल गर्व से भर देने वाला होता है। आज की तारीख भारत की आजादी के इतिहास में खास दिन है, जिसे साकार करने के लिए देश के अनेक वीर सपूतों ने हंसते-हंसते अपनी जान कुर्बान कर दी थी, वीरांगनाएं भी बलिदान देने से पीछे नहीं हटीं। स्वतंत्रता दिवस एक विशेष दिन है। भारत को 190 वर्षों की लंबी लड़ाई के बाद, 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश सरकार और उनके क्रूर नियमों से आजादी मिली थी। ब्रिटिश शासन से मिली देश की आजादी को चिह्नित करने के लिए हर साल स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह देशभक्ति के उत्साह, ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और नेताओं के भाषणों से भरा एक विशेष अवसर होता है।

आजादी का प्रतीक

भारत में पतंग उड़ाने का खेल भी स्वतंत्रता दिवस का प्रतीक है, विभिन्न आकार प्रकार और स्टाईल के पतंगों से भारतीय आकाश पट जाता है। इनमें से कुछ तिरंगे के तीन रंगो में भी होते हैं, जो राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित करते हैं। स्वतंत्रता दिवस का दूसरा प्रतीक नई दिल्ली का लाल किला है जहां 15 अगस्त 1947 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने तिरंगा फहराया था।

भारत के स्वतंत्रता दिवस का इतिहास

कई सालों के संघर्ष के बाद भारतीयों ने मांग की कि अंग्रेज़ देश पर अपना कब्ज़ा छोड़ दें। भारत के आखिरी ब्रिटिश गवर्नर-जनरल माउंटबेटन ने 15 अगस्त 1947 को सत्ता भारत को सौंप दी और इसे यह कहकर उचित ठहराया कि वह खून-खराबा या दंगे नहीं चाहते। जवाहरलाल नेहरू ने 15 अगस्त 1947 को भारत की स्वतंत्रता की घोषणा की। इसके बाद उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

ऐसे हुई थी राष्ट्रीय ध्वज की रचना

बताया जाता है कि 1916 में आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने एक ऐसे झंडे के बारे में सोचा जो सभी भारतवासियों को एक धागे में पिरोकर रखे। उनकी इस पहल पर एस.बी. बोमान जी और उमर सोमानी का साथ मिला और इन तीनों ने मिलकर नेशनल फ्लैग मिशन की स्थापना की। वहीं पिंगली वैकेंया महात्मा गांधी से काफी प्रेरित थे। महात्मा गांधी ने उन्हें इस ध्वज के बीच में अशोक चक्र रखने की सलाह दी जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने का संकेत बनेगा।

स्वतंत्रता का महत्व

स्वतंत्रता किसी भी व्यक्ति के लिए महत्व रखने वाली है और भारतीय स्वतंत्रता दिवस भी हमारे लिए उतना ही महत्व रखता है। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2022) के मौके पर हम सभी भारतीय आजादी का महत्व समझते हैं और उन सभी बलिदानी वीरों को याद करते हैं जिन्होंने हमारे लिए जान गंवाई। सभी व्यक्तियों में देशभक्ति की भावना जागृत होती है और अपने राष्ट्रीय शहीद और प्रतिको के लिए सम्मान की भावना जागृत होती है। स्वतंत्रता दिवस का महत्त्व इसीलिए भी है की, इस दिन लोगों को भारत की स्वतंत्रता के महत्व और लोगों को भारत की स्वतंत्रता का प्रचार- प्रसार करने की शिक्षा सरकारी विभागों द्वारा दी जाती है। भारत की स्वतंत्रता के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता और महत्व के बारे में लोगो को जागरुक करने के लिए स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।

हंसना मना है

संजना तीसरी बार ड्राइविंग लाइसेंस का इंटरव्यू देने पहुंची, ऑफीसर- अगर एक तरफ आपके पति हो और दूसरी तरफ आपका भाई हो तो आप किसको मारोगी? संजना-पति, आफिसर- अरे मैडम आपको तीसरी बार बता रहा हूं की आप ब्रेक मारोगी?

कंप्यूटर इंजीनियरिंग की लड़की को किसी लड़के ने छेड़ा, उसका गुस्सा ऐसे निकला- अरे ओ पेन ड्राइव के ढक्कन, पैदाइशी इरर, वाईरस के बच्चे, E&cel की Corrupt File, ऐसा Click मारूंगी कि जमीन से Delete हो कर कब्र में Install हो जायेगा! समझे?

जब एक लड़की लड़के से क्लास में एक पेन मांगती है तो.. लड़का- कौनसा दूं? ब्लु, ब्लैक, रेड, ग्रीन? और जब एक दोस्त मांगे तब, लड़का- हट लड़की देखने आता है स्कूल में बिना पेन के?

एक आदमी खड़े-खड़े चाबी से अपना कान खुजा रहा था..? दूसरा व्यक्ति उसे गौर से देखता हुए बोला- भाई साहब, आप स्टार्ट नहीं हो रहे, तो मैं धक्का लगाऊं?

कहानी — जीवन की छुपी सम्पदा

एक सुबह, अभी सूरज भी निकला नहीं था और एक मांझी नदी के किनारे पहुंच गया था। उसका पैर किसी चीज से टकरा गया, झुक कर उसने देखा, पत्थरों से भरा हुआ एक झोला पड़ा था। उसने अपना जाल किनारे पर रख दिया, वह सुबह सूरज के उगने की प्रतीक्षा करने लगा। सूरज उग आए, वह अपना जाल फेंके और मछलियां पकड़े। वह जो झोला उसे पड़ा हुआ मिल गया था, जिसमें पत्थर थे, वह एक-एक पत्थर निकाल कर शांत नदी में फेंकने लगा। सुबह के सन्नाटे में उन पत्थरों के गिरने की छपाक की आवाज सुनता, फिर दूसरा पत्थर फेंकता। धीरे-धीरे सुबह का सूरज निकला, रोशनी हुई। तब तक उसने झोले के सारे पत्थर फेंक दिए थे, सिर्फ एक पत्थर उसके हाथ में रह गया था। सूरज की रोशनी में देखते ही जैसे उसके हृदय की धड़कन बंद हो गई, सांस रुक गई। उसने जिन्हें पत्थर समझ कर फेंक दिया था, वे हीरे-जवाहरात थे! लेकिन अब तो अंतिम हाथ में बचा था टुकड़ा और वह पूरे झोले को फेंक चुका था। वह रोने लगा, चिल्लाने लगा। इतनी संपदा उसे मिल गई थी कि अनंत जन्मों के लिए काफी थी, लेकिन अंधेरे में, अनजान, अपरिचित, उसने उस सारी संपदा को पत्थर समझ कर फेंक दिया था। लेकिन फिर भी वह मछुआ सौभाग्यशाली था क्योंकि अंतिम पत्थर फेंकने के पहले सूरज निकल आया था और उसे दिखाई पड़ गया था कि उसके हाथ में हीरा है। साधारणतः सभी लोग इतने सौभाग्यशाली नहीं होते हैं। जिंदगी बीत जाती है, सूरज नहीं निकलता, सुबह नहीं होती, रोशनी नहीं आती और सारे जीवन के हीरे हम पत्थर समझ कर फेंक चुके होते हैं। जीवन एक बड़ी संपदा है, लेकिन आदमी सिवाय उसे फेंकने और गंवाने के कुछ भी नहीं करता है! जीवन क्या है, यह भी पता नहीं चल पाता और हम उसे फेंक देते हैं! जीवन में क्या छिपा था - कौन से राज, कौन सा रहस्य, कौन सा स्वर्ग, कौन सा आनंद, कौन सी मुक्ति - उस सबका कोई भी अनुभव नहीं हो पाता और जीवन हमारे हाथ से रिक्त हो जाता है! ज्ञान रूपी प्रकाश किसी को मिल जाता है तो शेष जीवन तो संवर ही जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

मिथुन — घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क — लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने स क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

कन्या — बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला — सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक — उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु — यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे।

मकर — अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

कुम्भ — मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन — घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

राजनीति की वजह से पड़ रहा है एक्टिंग करियर पर असर : कंगना

कंगना रनौत एक्ट्रेस से नेता बन गई हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद चुनी गईं कंगना राजनीति की कठिन दुनिया में कदम रख चुकी हैं। सांसद बनने के बाद उन्हें समझने आने लगा है कि अपने फलते-फूलते फिल्मी करियर के साथ अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों को संतुलित करना एक बड़ी चुनौती है। कंगना इंडस्ट्री में कई हिट फिल्मों के लिए जानी जाती हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से वह एक हिट फिल्म पाने के लिए तरस गई हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी दोहरी भूमिकाओं में आने वाली कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। कंगना ने अपनी दोहरी भूमिकाओं में आने वाली कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने साझा किया, 'सांसद होना एक बहुत डिमांडिंग जॉब है। खासतौर पर मेरे लोकसभा क्षेत्र में, वहां बाढ़ आई थीं, तो मैं पूरे वक्त इसमें जुटी रही। मुझे हिमाचल जाना पड़ता है और इस बात का ख्याल रखना पड़ता है कि चीजें ठीक तरह से हो रही हैं। 'मौसम की तबाही की वजह से अपनी राजनैतिक जिम्मेदारियों और फिल्म इंडस्ट्री के काम में संतुलन बिठाना पड़ता है। क्योंकि इसकी वजह से शेड्यूल और टाइट हो गया है। कंगना ने माना राजनीति की वजह से फिल्मी करियर पर असर साफ दिखाई पड़ रहा है, क्योंकि उन्होंने इस बात को माना है कि उनके प्रोजेक्ट प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने इंटरव्यू में कहा, 'मेरी फिल्में और काम प्रभावित हो रहा हैं। मेरे प्रोजेक्ट्स को इंतजार करना पड़ रहा है। मैं अपनी शूटिंग शुरू नहीं कर पा रही हूं। राजनीति और एक्टिंग कंगना के पास दो बड़ी जिम्मेदारियां हैं। लेकिन इसके बाद भी वह उन दोनों ही रास्तों पर चलने के लिए तैयार हैं जो उन्हें उनका अक्स मालूम देता है। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं दोनों कामों के लिए पूरी तरह तैयार हूं, और जिस भी चीज को मेरी ज्यादा जरूरत होगी और जो मुझे ज्यादा इंगेज करेगा, आखिर में मैं वही रास्ता लूंगी। लेकिन अभी तो मेरी जिंदगी में बहुत कुछ हो रहा है।

सोनाक्षी के समर्थन में उतरे शत्रुघ्न सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा ने लंबे समय तक रिश्ते में रहने के बाद जहीर इकबाल से शादी कर ली। हालांकि, अभिनेत्री को इस कारण काफी ट्रोल किया गया, लेकिन वह अपने प्यार के साथ खड़ी नजर आईं। इतना ही नहीं सोनाक्षी के पिता, अनुभवी अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा भी हमेशा अपनी बेटी के के प्रति अपने अटूट समर्थन के बारे में मुखर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक दफा फिर बेटी के फैसले पर खुलकर चर्चा की। शत्रुघ्न ने अपनी बेटी के साथ खड़े होने के महत्व पर जोर दिया और शादी के बारे में किसी भी नकारात्मक धारणा को आधारहीन और निराधार बताया।

एक हालिया इंटरव्यू में शत्रुघ्न सिन्हा ने बेटी की शादी को संबोधित करते हुए कहा, यह शादी का मामला है। दूसरी बात अगर बच्चों की शादी हुई है तो यह गैरकानूनी और असंवैधानिक नहीं है। उन्होंने अपनी इच्छा और हमारे आशीर्वाद से ऐसा किया।

इसलिए मैं इसकी सराहना करता हूं। अनुभवी अभिनेता ने अपनी बेटी की पसंद पर गर्व और खुशी व्यक्त करते हुए अपने रुख को और विस्तार से बताया, अगर मैं नहीं रहूंगा तो मेरी बेटी के साथ कौन खड़ा होगा? शत्रुघ्न ने यह भी उल्लेख किया कि वह और उनकी पत्नी पूनम सिन्हा इस मिलन का जश्न मनाने में पूरी तरह से शामिल थे, और उन्होंने इस विवाह का पूरा समर्थन प्रदर्शित किया।

शत्रुघ्न सिन्हा ने स्पष्ट किया कि उनका प्राथमिक ध्यान अपने बच्चों की संतुष्टि पर है। अभिनेता ने जोड़ा, यह उनकी खुशी के बारे में है। शत्रुघ्न ने कहा कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल एक दूसरे के लिए बने हैं। उन्होंने विश्वास जाहिर किया कि हर एक माता-पिता का अंतिम लक्ष्य अपने बच्चों को उनके निजी जीवन में खुश और पूर्ण देखना है। उन्होंने कहा, माता-पिता हमेशा अपने बच्चों की खुशी के लिए खड़े रहेंगे और मुझे लगता है कि हमारे बच्चे खुश हैं। वे एक-दूजे के लिए बने हैं और हम उनके लिए बहुत खुश हैं। सोनाक्षी और जहीर ने 23 जून को एक नागरिक समारोह में शादी की।

कबीर बहिया संग सात फेरे लेंगी कृति सेनन!

बॉलीवुड | गपशप

कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इससे पहले उन्होंने इस साल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में अभिनय किया था, जिसमें उन्होंने एक रोबोट का किरदार निभाया था। अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। अब हाल ही में, कृति ने कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ अपनी डेटिंग अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन हाल ही में, अपने कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ छुट्टियों की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होने के बाद चर्चा में थीं। अब अभिनेत्री ने उनके बारे में लिखी गई ऑनलाइन खबरों पर प्रतिक्रिया दी हैं और इसे निराशाजनक बताया है।

कृति और कबीर की तस्वीरें वायरल होने के बाद, कई रिपोर्ट्स में कहा गया कि अभिनेत्री जल्द ही शादी करने की योजना बना रही हैं। हालांकि, कृति जल्द ही शादी करने के मूड में नहीं हैं और उन्होंने इन खबरों को बेहद परेशान करने वाला बताया है।

अब हाल ही में, फिल्मफेयर के साथ एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने बताया कि जब उनके बारे में गलत जानकारी फैसाई जाती है तो यह बहुत गुस्सा दिलाने वाला होता है। इसलिए क्योंकि इसका असर उनके परिवार पर भी पड़ता है। कृति ने कहा, उन्हें किसी झूठी बात के दुष्परिणामों से नहीं जूझना चाहिए। यह तब और भी अधिक परेशान करने वाला होता है, जब अफवाहें मेरी निजी जिंदगी से जुड़ी होती हैं।

फिर दोस्त मुझे मैसेज भेजते हैं कि क्या यह सच है और मुझे क्लियर करना पड़ता है कि यह सच नहीं है।उन्होंने आगे कहा, लोग अक्सर कहानियां फैलाने से पहले तथ्यों की पुष्टि करने की जहमत नहीं उठाते, खासकर सोशल मीडिया पर जहां नेगेटिविटी तेजी से फैलती है।

इन झूठों को लगातार सही करना परेशान करने वाला है और किसी भी और चीज से ज्यादा परेशान करने वाला होता है।

अजब-गजब | आर्मी ने बना रखा है इस जवान का मंदिर

ऐसा सैनिक जो मौत के बाद भी कर रहा है सीमा पर ड्यूटी

स्थिति कैसी भी हो, हमारे सैनिक देश की सीमाओं को हर समय बचाते हैं। वे अपने परिवार से दूर रहकर भीषण गर्मी, बारिश और सर्दी में भी हमारे देश को बचाते हैं। देश की सुरक्षा करते हुए बहुत से सैनिक शहीद भी हो जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक सैनिक शहीद होने के बाद भी देश की रक्षा कर रहा है? इस शहीद सैनिक का मंदिर भी बना हुआ है। सेना ही इस मंदिर की देखभाल करती है। इस शहीद सैनिक को मासिक वेतन भी मिलता है। इन सैनिक का नाम बाबा हरभजन सिंह है। ऐसा माना जाता है कि बाबा हरभजन सिंह आज भी सिक्किम सीमा पर देश की सुरक्षा कर रही हैं। पंजाब रेजिमेंट के जवान बाबा हरभजन सिंह की आत्मा पिछले 50 साल से भी अधिक समय से देश की सीमा की रक्षा कर रही है, ऐसा लोगों का मानना है।

बाबा हरभजन सिंह के मंदिर में तैनात सैनिकों का मानना है कि बाबा हरभजन सिंह पहले ही चीन की तरफ से आने वाले किसी भी खतरे की सूचना पहले ही दे देते हैं। यह भी कहा जाता है कि बाबा हरभजन सिंह पर भारतीय और चीनी सैनिकों दोनों का पूरा भरोसा है। यही कारण है कि बाबा हरभजन के लिए भारत-चीन फ्लैग मीटिंग में अटेंड करने के लिए एक खाली कुर्सी रखी जाती है।

बाबा हरभजन सिंह का जन्म 30 अगस्त 1946 को पाकिस्तान के गुंजरावाल पंजाब के

सदराना गांव में हुआ था। भारतीय सेना में उन्हें नाथुला के नायक कहा जाता है। 1966 में, हरभजन सिंह 23वीं पंजाब रेजिमेंट में जवान बन गए। 2 साल बाद उन्हें सिक्किम में नियुक्त किया गया, लेकिन एक दुर्घटना में वह शहीद हो गए। बताया जाता है कि एक दिन हरभजन सिंह अपने खच्चर पर बैठकर नदी पार कर रहे थे, तभी वे खच्चर सहित नदी में बह गए। उनका मृत शरीर नदी में बहकर बहुत दूर चला गया।

बहुत तलाशने पर भी उनका शव नहीं मिला। बाद में एक दिन बाबा हरभजन अपने एक साथी सैनिक के सपने में आए और बताया कि उनका शव कहाँ है। उस सैनिक ने अपने दोस्तों को सपने के बारे में बताया। बाद में कुछ सैनिक उस स्थान पर गए, वहां उन्हें हरभजन सिंह का शव मिला। बाबा हरभजन का पूरे राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। बाद में साथी सैनिकों ने बाबा हरभजन के बंकर को मंदिर बनाया। सेना ने उनके लिए एक सुंदर मंदिर बनाया। इस मंदिर का नाम 'बाबा हरभजन सिंह मंदिर' है। बाबा हरभजन सिंह का मंदिर गंगटोक में 13000 फीट की ऊंचाई पर जेलेप्ला और नाथुला दर्रे के बीच स्थित है। पुराना बंकर मंदिर इससे भी एक हजार फीट की ऊंचाई पर है।

सैनिकों का मानना है कि बाबा हरभजन की आत्मा आज भी सीमा पर सेवा कर रही है। बाबा हरभजन सेना में एक उच्च पद पर हैं और उन्हें हर महीने वेतन भी मिलता है। कुछ साल पहले तक बाबा हरभजन को अन्य सैनिकों की तरह हर साल दो महीने की छुट्टी पर उनके गांव भेजा जाता था। उनका सामान गांव भेजा जाता था और ट्रेन में उनकी सीट सुरक्षित रखी जाती थी। लेकिन कुछ लोगों ने इस पर आपत्ति जताई। इसके बाद बाबा हरभजन को छुट्टी पर भेजना बंद कर दिया। मंदिर में बाबा हरभजन सिंह का एक कमरा भी है, जहां हर दिन सफाई की जाती है और बिस्तर लगाया जाता है। कहा जाता है कि बाबा की सेना की वर्दी और जूते उस कमरे में रखे जाते हैं। लोगों का कहना है कि हर दिन सफाई करने पर भी उनके जूतों में कीचड़ और चद्दर पर सलवटें मिलती हैं।

बार-बार बोलते हैं सॉरी, क्या है इसकी वजह? क्या जानते हैं इसका फुल फॉर्म

सॉरी बोलना हमारी ऐसी आदत बन चुकी है कि हम कई बार जरूरत न भी है, तो सॉरी बोल देते हैं। मनोवैज्ञानिक तौर पर जब कोई बिना कुछ गलत किए सॉरी बोलता है तो वह आसानी से दूसरों का भरोसा और विश्वास हासिल कर लेता है पर ज्यादा सॉरी बोलना आपकी मानसिक कमजोरी की निशानी भी मान ली जाती है। शायद ज्यादा सॉरी बोलनी की वजह ये है कि लोग इसका अर्थ मानते हैं-मुझे माफ कर दीजिए। हालांकि ऐसा है बिल्कुल नहीं। इतना ही नहीं कुछ लोग तो सॉरी को शॉर्ट फॉर्म मानते हैं और इसका फुल फॉर्म भी बताते हैं। आइए जानते हैं कि सॉरी दरअसल आया कहां से।

SORRY का सही अर्थ होता है - दुखी महसूस करना, खेद व्यक्त करना या फिर अपनी गलती पर दुखी होना। सॉरी बोलने के बाद आपके गलती दोहराने की गुंजाइश बेहद कम हो जानी चाहिए। सॉरी शब्द अंग्रेजी के सरिग या सॉरो शब्द से बना है, जिसका मतलब होता है गुस्सा या परेशान होना।

हालांकि ज्यादातर लोग सॉरी शब्द का इस्तेमाल इन बातों के लिए नहीं करते हैं। अब ये लोगों की आदत बन चुकी है। इसके जैसे शब्द कई अन्य भाषाओं में मिलते हैं जैसे प्राचीन जर्मन भाषा का sairag और मॉर्डन जर्मन भाषा का sairagaz, इंडो यूरोपीय भाषा का say?2।

वैसे SORRY का फुल फॉर्म भी सोशल मीडिया और इंटरनेट पर कई जगह दिख जाता है, जिसमें लेटर्स के हिसाब से इसकी व्याख्या की जाती है। इसके मुताबिक - SORRY का मतलब Someone Is Really Remembering You होता है। इसके बारे में किसी भाषा वैज्ञानिक ने पुष्टि नहीं की। दक्षिणी ओरेगन विश्वविद्यालय की एक भाषाविज्ञान विशेषज्ञ एडविन बैटीस्टेला और सॉरी अबाउट दैट : द लैंग्वेज ऑफ पब्लिक एपोलॉजी नाम की किताब लिखी। उनके मुताबिक - लोग सॉरी शब्द का इस्तेमाल अलग-अलग तरीकों से करते हैं। जो लोग इस शब्द का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, जरूरी नहीं कि वे ज्यादा पछतावे वाले हों।

जमीन पर कब्जा करने वालों को बीजेपी का संरक्षण : दिग्विजय

» इंदौर वक्फ जमीन मामले में कूदे पूर्व मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। करीब 100 करोड़ रुपये कीमत वाली वक्फ जायदाद पर हो रहे कब्जे के मामले में अब सियासत भी दिखने लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने इस जमीन की फिक्र लेते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव को टैग करते हुए ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने इस वक्फ जमीन पर कब्जा करने वाले मुस्लिमों को बीजेपी नेताओं का संरक्षण होने की बात कही है। उन्होंने पुलिस के किसी बड़े बीजेपी नेताओं के दबाव में होने की बात भी अपने इस ट्वीट में की है।

बता दें कि इंदौर के पॉश इलाके एमआर 10 पर स्थित खसरा नंबर 170 की वक्फ जमीन पर दो दिन पहले हुए कब्जे के प्रयास पर दिग्विजय सिंह ने सीएम डॉ. मोहन यादव, कलेक्टर इंदौर समेत राष्ट्रीय कांग्रेस और प्रदेश बीजेपी को चेताया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए इस मामले में प्रदेश के बीजेपी नेताओं द्वारा कब्जा करने वालों का सहयोग करने की बात कही है। दिग्विजय सिंह ने लिखा है कि जिस समय वक्फ जमीन पर कब्जा किया जा रहा था, उस समय पुलिस प्रशासन ने इस मामले के शिकायत कर्ताओं को बीजेपी नेताओं के दबाव में थाने पर बैठाए रखा था।

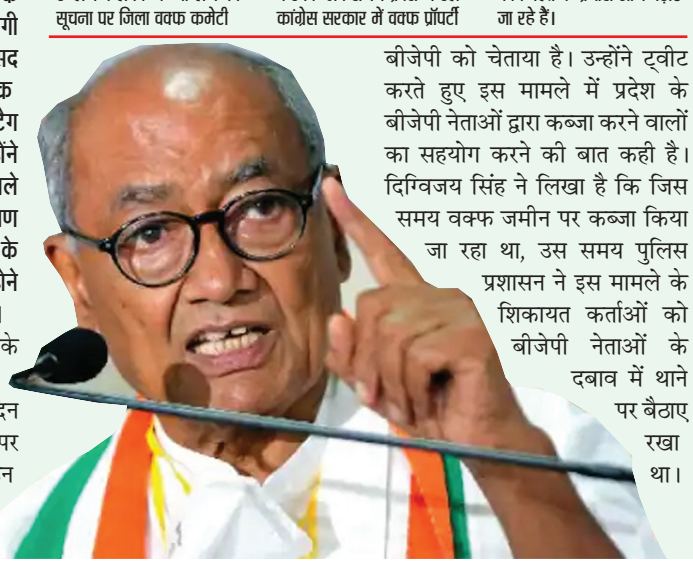

कांग्रेस अब श्रेय लेने की होड़ में कूदी : रेहान शेख

दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर इंदौर जिला वक्फ कमेटी अध्यक्ष रेहान शेख ने पलटवार करते हुए कहा है कि मुस्लिमों के हितैषी बनने वाली कांग्रेस अब श्रेय लेने की होड़ में कूद पड़े हैं। उन्होंने कहा कि कब्जा होने की सूचना पर जिला वक्फ कमेटी के मेंबरों ने तत्काल प्रशासन से संपर्क किया। इस पर आनन-फानन में कार्रवाई भी हुई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं पर इल्जाम लगाने की बजाए दिग्विजय सिंह इस बात पर गौर करें कि लंबे समय प्रदेश में रही कांग्रेस सरकार में वक्फ प्रॉपर्टी को कितना नुकसान पहुंचा है। रेहान ने कहा कि कांग्रेस के दौर की फैली अव्यवस्थाओं और नुकसान को वक्फ आज तक भुगत रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में लगातार वक्फ हित के प्रयास आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

कानून का पालन करने पर हो रही कार्रवाई : ओवैसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि विदिशा कलेक्टर ने बीजामंडल को लेकर हुए विवाद में एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर मस्जिद बताया था, जिससे हिंदू संगठनों और बीजेपी नेताओं में नाराजगी थी। इसके बाद प्रदेश सरकार ने 47 आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए, जिसमें विदिशा कलेक्टर का नाम भी शामिल था। ओवैसी ने कहा कि यह वक्फ संशोधन बिल का खतरा है, जहां अगर कोई यह कहता है कि मस्जिद, मस्जिद नहीं है, तो सरकार कलेक्टर को इसका पावर देना चाहती है। कलेक्टर को भी? की मांग माननी पड़ेगी, नहीं तो उसे ट्रांसफर कर दिया जाएगा। कोई भी सबूत पर्याप्त नहीं है।

राजनीति को घर में प्रवेश नहीं देना चाहिए : अजित

» बोले- बहन सुप्रिया के खिलाफ पत्नी को चुनाव लड़ाने का फैसला गलत था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने स्वीकार किया है कि हाल के लोकसभा चुनाव में बारामती से अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को मैदान में उतारकर उन्होंने गलती की। सुनेत्रा ने अपनी भाभी सुप्रिया को बारामती से चुनौती दी थी, जो एनसीपी संस्थापक शरद पवार का गढ़ है। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने सुनेत्रा को करीब 1.6 लाख वोटों के अच्छे अंतर से हराया।

सुनेत्रा को निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारने के अपने फैसले को याद करते हुए, अजीत ने कहा कि किसी को भी राजनीति को घर में प्रवेश नहीं करने देना चाहिए। एक मराठी समाचार चैनल को दिए एक साक्षात्कार में अजीत ने कहा कि मैं अपनी सभी बहनों से प्यार करता हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अगले सप्ताह रक्षा बंधन के अवसर पर सुप्रिया से मिलेंगे, राकांपा नेता ने कहा कि वह इस समय दौरे पर हैं और यदि वह और उनकी बहनें उस दिन एक स्थान पर होंगे, तो वह निश्चित रूप से उनसे मिलेंगे। उल्लेखनीय रूप से, अजित लगभग अपने चाचा शरद पवार के बचाव में आ गए, जो राकांपा के महायुति सहयोगियों भाजपा और शिवसेना से आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। वरिष्ठ पवार को उनके सहयोगियों द्वारा निशाना बनाए जाने के बारे में पूछे जाने पर अजित ने कहा कि उन्हें (भाजपा और शिवसेना) भी समझना चाहिए कि वे क्या बोलते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम साथ बैठते हैं तो मैं अपनी राय व्यक्त करता हूं।

मणिपुर के लोगों को एकजुट होकर रहना चाहिए: सीएम बीरेन

» धीरे-धीरे शांति के रास्ते पर लौट रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि जातीय संघर्ष से प्रभावित राज्य में शांति कायम करने के लिए समुदायों के बीच मेल-मिलाप का समय आ गया है। सिंह ने 133वें देशभक्त दिवस समारोह के मौके पर कहा कि मणिपुर के लोगों को एकजुट होकर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, आज देशभक्त दिवस है। कई मणिपुरियों ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

मैं राज्य के सभी नागरिकों से शांति कायम करने में सहायता करने का अनुरोध करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें जाति, धर्म या किसी भी आधार पर मतभेद नहीं रखना चाहिए। हम सभी मणिपुरी, हम सभी भारतीय हैं और हमें एकजुट रहना चाहिए। लेकिन जिन मुख्य मुद्दों से हम जूझ रहे हैं, वह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मैं प्रेस से भी राज्य में शांति कायम करने में सहयोग करने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा, मैंने पर्वतीय क्षेत्र के विधायकों से भी अनुरोध किया है कि वे राहत शिविरों में जाकर विस्थापितों की मदद करें। मुझे लगता है कि यह पीड़ित लोगों के लिए एक बहुत बड़ा संदेश होगा।

कन्नौज कांड में नए खुलासे से सियासी भूचाल

पीड़िता के साथ पहुंची महिला के बीजेपी नेताओं के साथ संबंध

» सपा ने जारी की तस्वीरें बोली- भाजपा कार्यकर्ता है महिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। कन्नौज कांड में नए खुलासे से यूपी की सियासत गरमा गई है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव के साथ रात में अपनी भतीजी के साथ मिलने के लिए पहुंची महिला को लेकर कई नई जानकारी सामने आ रही है। अब तक उसे नवाब सिंह यादव का करीबी माना जा रहा था। वह खुद भी अपने बयान में यह कह चुकी है कि उनसे पहचान होने की वजह कर ही वह लखनऊ से घर जाने के दौरान यहां मिलने पहुंची थी।

इसी बीच उसी महिला की कई ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें वह भाजपा के बड़े नेताओं के साथ मौजूद है। इसमें वह कन्नौज के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक, सदर से विधायक और समाज कल्याण मंत्री असीम अरूण, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष नेहा त्रिपाठी, दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी सहित कई नेताओं के साथ उसकी सेल्फी ने भी सियासी चर्चा को नया मोड़ दे दिया है। सपा इसी बहाने उसे भाजपा का कार्यकर्ता बता रही है।

किशोरी के बयान के आधार पर पुलिस बढ़ेगी आगे

किशोरी के साथ छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार पूर्व ब्लॉक प्रमुख की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। पुलिस ने पीड़ित किशोरी की मेडिकल जांच करवाई। उसके बाद मजिस्ट्रेट के सामने उसका बयान दर्ज कराया गया। किशोरी के बयान के बाद अब आरोपी नवाब सिंह यादव के खिलाफ दुष्कर्म की भी धारा बढ़ाई जाएगी। इस बीच नोएडा से यहां पहुंचे उसके माता-पिता ने भी अपनी नाबालिग बेटी संग हुई घटना पर बात की। मां ने अपनी ननद पर गंभीर आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ तहरीर दी है। माना जा रहा है कि पुलिस अब मुकदमे में और धाराएं बढ़ा सकती है।

पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने जानने से किया इंकार

भाजपा के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि वह उसे नहीं जानते हैं। भाजपा में अगर सक्रियता होती तो वह पहचानते।उनके मुताबिक लोकसभा चुनाव के दौरान भी वह उन्हें किसी कार्यक्रम में नहीं दिखी। कहा कि किसी के साथ तस्वीर का होना उससे नजदीकी होने का सुबूत नहीं हो सकता है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव के खिलाफ हुई कार्रवाई और उसके बाद सपा की ओर से पल्ला झाड़ने के मुद्दे को भाजपा ने लपक लिया है। यहां के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने नवाब सिंह यादव का नाम लेकर अखिलेश यादव पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

जम्मू में आतंकियों से मुठभेड़ में सेना का एक अधिकारी शहीद

» एम4 राइफल गोला-बारूद और रसद सामग्री भी बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले के अस्सार इलाके में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान सेना का एक अधिकारी शहीद हो गए, यह मुठभेड़ देश भर में स्वतंत्रता दिवस समारोह से एक दिन पहले हुई है। सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन के दौरान एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ करने के बाद एक अमेरिकी निर्मित एम4 राइफल, गोला-बारूद और रसद सामग्री भी बरामद की है।

सुरक्षा बलों को 4 पाकिस्तानी आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी और उन्होंने कल शाम एक ऑपरेशन शुरू किया था। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवाद रोधी अभियान चला। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी दलों ने मंगलवार तड़के अहलान गगरमांडू जंगल में कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखीं और पता लगाने के लिए गोलीबारी की। अधिकारियों के बताया कि जंगल क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तलाशी अभियान में शामिल किया। जम्मू क्षेत्र में आतंकी हमला स्वतंत्रता दिवस समारोह से एक दिन पहले हुआ है और सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं, जिसमें सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित वरिष्ठ लोग शामिल हुए।

फोटो :4 पीएम

धरना कोलकाता रेप मामले पर केजीएमयू रेजिडेंट्स डॉक्टर ने निकाला मार्च। परिवर्तन चौक पहुंचने पर डॉक्टरों को पुलिस ने वहां से वापस भेज दिया।

केंद्र को लगा सुप्रीम झटका

» राज्यों के पास ही रहेगा खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने का अधिकार

» 9 जजों की संविधान पीठ ने सुनाया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र और माइनिंग कंपनी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्यों के पास ही रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया कि 25 जुलाई को दिए गए उसके फैसले में राज्यों को खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने के अधिकार को बरकरार रखा गया था, जिसे केवल आगे के प्रभाव से ही लागू किया जाना चाहिए।

साथ ही, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस फैसले के आधार पर राज्यों द्वारा टैक्स लगाना 1 अप्रैल, 2005 से पहले की अवधि के लिए लागू नहीं होना चाहिए। 9 जजों की संविधान पीठ ने सुनाया फैसला कोर्ट ने यह भी कहा कि बकाया टैक्स का भुगतान 1 अप्रैल, 2026 से 12 साल की अवधि में किया जा सकता है। कोर्ट ने आगे कहा कि 25 जुलाई, 2024 से पहले की अवधि के लिए की गई मांग पर कोई ब्याज या जुर्माना नहीं लगाया जाना चाहिए। नौ जजों की संविधान पीठ ने आठ एक के बहुमत से फैसला दिया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हृषिकेश रॉय की पीठ ने ये निर्णय दिया. जस्टिस नागरत्ना ने बहुमत से उलट निर्णय दिया है।

इस फैसले से कई राज्यों को फायदा

इस फैसले से खनिज व खदान संपन्न राज्य ओडिशा, झारखंड, बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और उत्तर- पूर्वी राज्यों को फायदा होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र, खनन कंपनियों द्वारा खनिज संपन्न राज्यों को बकाये का भुगतान अगले 12 वर्ष में क्रमबद्ध तरीके से किया जा सकता है। कोर्ट ने खनिज संपन्न राज्यों को रॉयल्टी के बकाये के भुगतान पर किसी तरह का जुर्माना न लगाने का निर्देश दिया. सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को एक अप्रैल 2005 के बाद से केंद्र सरकार, खनन कंपनियों से खनिज संपन्न भूमि पर रॉयल्टी का पिछला बकाया वसूलने की अनुमति दी।

सत्ता के लालच में हुआ देश का बंटवारा : योगी

» विभाजन विभीषिका दिवस पर सीएम की पदयात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 15 अगस्त 1947 को मिली आजादी से एक दिन पहले हुए भारत के विभाजन और उस त्रासदी में मारे गए और पीड़ित लाखों लोगों की याद में भाजपा 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मना रही है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में पदयात्रा कर रहे हैं। योगी ने अमानवीय त्रासदी में बलिदान हुए सभी निर्दोष नागरिकों को विनम्र श्रद्धांजलि दी।

यूपी के सीएम योगी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर कांग्रेस पर निशाने पर लेते हुए कहा कि सत्ता के लालच में उसने देश का बंटवारा होने दिया और पाकिस्तान के रूप में एक नासूर देश को दे दिया। योगी ने कहा, वह इतिहास का काला दिन था। दुनिया का एक सनातन राष्ट्र, जो हजारों हजार सालों तक एक भारत रहा हो, वह भारत पहले गुलाम बनाया गया, विदेशी आक्रांताओ ने यहां की परंपराओं की संस्कृति को रौंदा, फिर जो काम इतिहास में किसी युग में नहीं हुआ, वह काम सत्तालोलुप कांग्रेस ने विभाजन की त्रासदी के रूप में किया। योगी ने कहा कि कांग्रेस ने आजाद भारत को ऐसा नासूर दे दिया, जो आज भी आतंकवाद के रूप में देश को दंश दे रहा है, उन्होंने कहा कि तब राजनीतिक नेतृत्व ने अगर दृढ़ता का परिचय दिया होता, तो दुनिया की कोई ताकत इस देश को बांट नहीं सकती थी।

अमित शाह ने अपने आवास पर फहराया तिरंगा

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कहा कि यह देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले नायकों को याद करने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'हर घर तिरंगा' अभियान की दो वर्ष पहले शुरुआत की थी, जिसमें नागरिकों से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और अपनी सेल्फी सरकारी वेबसाइट पर अपलोड करने का आग्रह किया गया था। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मोदी जी के 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत पूरा देश तिरंगामय हो रहा है। आज नयी दिल्ली स्थित अपने आवास पर तिरंगा लहरा कर देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले नायकों को याद किया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।